Total No. of Questions : 5]

SEAT No. :

P2681

[Total No. of Pages : 2

[4902] - 1011
M.A. (Part - I) (Semester - I)
HINDI (हिंदी)
प्रश्नपत्र – 1 : सामान्य स्तर
प्राचीन और मध्ययुगीन काव्य
(अमीर खुसरो तथा जायसी)
(2013 Pattern) (Credit System)

समय : 3 घंटे] *[पूर्णांक : 50*

पाठ्यपुस्तकें :– *1) अमीर खुसरो और उनका हिंदी साहित्य*
संपादक : डॉ. भोलानाथ तिवारी
2) पद्मावत : मालिक मुहम्मद जायसी
संपादक – वासुदेवशरण अग्रवाल

सूचनाएँ :– *1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।*
2) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

प्रश्न 1) काव्य कला की दृष्टि से अमीर खुसरो के काव्य की समीक्षा कीजिए।

अथवा

अमीर खुसरो कालीन समाज का परिचय दीजिए।

प्रश्न 2) ''पद्मावत'' में वर्णित ''प्रकृतिचित्रण'' पर प्रकाश डालिए।

अथवा

काव्य कला की दृष्टि से जायसी के ''पद्मावत'' महाकाव्य की समीक्षा कीजिए।

प्रश्न 3) ''मुकरी'' का अर्थ स्पष्ट करते हुए अमीर खुसरो की मुकरियों की विशेषताएँ लिखिए।

अथवा

''नागमती वियोगखंड'' का सारांश लिखिए।

P.T.O.

प्रश्न 4) निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए :

क) अमीर खुसरो के काव्य में प्रयुक्त ढकोसले;

ख) अमीर खुसरो के गीत;

ग) ''पद्मावत'' में हीरामन की भूमिका;

घ) ''पद्मावत'' में ऐतिहासिक दृष्टि।

प्रश्न 5) निम्नलिखित अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

क) एक नार कुएँ मे रहे।
वाका नीर खेत में बहे।।
जो कोई वाके नीर को चाखे।
फिर जीवन की आस न राखे।।

अथवा

चढ़ छाती मोको लचकावत।
धोय हाथ मो पर चढ़ि आवत।।
समर लगत देखते हैं सगरी।
ऐ सखी साजन ना सखी गगरी।।

ख) कहा मानसर चहा सो पाई। पारस रूप इहाँ लगि आई।।
भा निरमर तेन्ह पायन परसे। पावा रूप रूप कैं दरसे।।
मलै समीर बास तन आई। भा सीतल गै तपजि बुझाई।।
न जनौ कौनु पौन लै आवा। पुन्नि दसा भै पाप गवाँवा।।
ततखन हार बेगि उतिराना। पावा सखिन्ह चंद बिहँसाना।।

अथवा

सुवा काल होइ लै गा पीऊ। पीऊ नहि लेत लेत बरू जीऊ।।
भएउ नरायन बावन करा। राजकरत बलि राजा छरा।।
करन बात लीन्हेउ कै छंदू। भारथ भएउ झिलमिल आनंदू।।
मानस भोग गोपीचँद भोगी। लै उपसवा जलंधर जोगी।।
लै कान्हहि भा अकरूर अलोपी। कठिन बिछोउ जिअै किमि गोपी।।

Total No. of Questions : 5]

SEAT No. :

P2682

[Total No. of Pages : 2

[4902] - 1012

M.A. (Part - I) (Semester - I)

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र – 2 : विशेष स्तर

आधुनिक हिंदी कथा साहित्य

(उपन्यास और कहानी)

(2013 Pattern) (Credit System)

पाठ्यपुस्तकें :– *i) कलि–कथा : वाया बाइपास – अलका सरावगी*

ii) हिंदी की श्रेष्ठ कहानियाँ – संपा. डॉ. सुरेश बाबर

डॉ. विठ्ठलसिहं ठाकरे

समय : 3 घंटे] *[पूर्णांक : 50*

सूचनाएँ :– *1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।*

2) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

प्रश्न 1) प्रसाद युगीन कहानी विधा परिचय देते हुए 'पुरस्कार' कहानी की समीक्षा कीजिए।

अथवा

'यही मेरा वतन' कहानी के उद्देश्य पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 2) अलका सरावगी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व का संक्षेप में परिचय देते हुए 'कलि – कथा : वाया बाइपास' उपन्यास की संवाद योजना पर प्रकाश डालिए।

अथवा

'कलि – कथा : वाया बाइपास' उपन्यास के किशोर बाबू के जीवन की प्रमुख घटनाओं का विवेचन कीजिए।

प्रश्न 3) कहानी कला के तत्वों के आधार पर 'मुंबई कांड' कहानी की समीक्षा कीजिए।

अथवा

'कलि – कथा : वाया बाइपास' उपन्यास के शीर्षक की सार्थकता लिखिए।

P.T.O.

प्रश्न 4) किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए :

क) 'सजा' कहानी का यथार्थ।

ख) 'वह मैं ही थी' में व्यक्त स्त्री जाति की पीड़ा।

ग) 'कलि – कथा : वाया बाइपास' के स्त्री पात्र।

घ) 'कलि – कथा : वाया बाइपास' की भाषा।

प्रश्न 5) निम्नलिखित अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

क) ''कितनी बार सुनेगा? मेरे दादा ससुर कहते थे – मेरी पतोहू की एक – एक आंख कोहिनूर हीरा है। मेरे पास दो – दो कोहिनूर हूए न? रानी विक्टोरिया के पास तो एक ही है।''

अथवा

''हां, किशोर करेगा यह काम। इस काम में कोई बुराई नहीं है। भूखों को रोटी खिलाना कब से गलत हो गया भैया? किशोर ने मुझे नहीं बताया, नहीं तो मैं इस काम के लिए इसे रोटियां बनाकर खुद देती।''

ख) ''बाबू, वे लाल की बैठक में बैठते हैं। कभी – कभी जब मैं उन्हें कुछ खिलाने – पिलाने जाती हूँ, तब वे बड़े प्रेम से मुझे 'माँ' कहते हैं। मेरी छाती फूल उठती है ..... मानो वे मेरे ही बच्चे हैं। ''

अथवा

''वे तो पागल हो गये हैं, कभी महामृत्युंजय जाप तो कभी तान्त्रिकों की जमघट। यह घर का सारा नक्शा, जो आप देख रहे हैं, इन्हीं की जिद पर हैं ; एक भी विदेशी टच नहीं. सब अपने पौराणिक।''

Total No. of Questions : 5]

SEAT No. :

P2683

[Total No. of Pages : 2

[4902] - 1013
M.A. (Part - I) (Semester - I)
HINDI (हिंदी)
प्रश्नपत्र – 3 : विशेषस्तर
भारतीय साहित्यशास्त्र
(2013 Pattern) (Credit System)

समय : 3 घंटे] *[पूर्णांक : 50*

सूचनाएँ :– *1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।*
2) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

प्रश्न 1) रस का स्वरूप स्पष्ट करते हुए रस के अवयवों का परिचय दीजिए।

अथवा

रस निष्पत्ति संबंधी भट्टलोल्लट एवं शंकुक द्वारा की गई व्याख्याओं का विवेचन कीजिए।

प्रश्न 2) अलंकार शब्द की व्युत्पत्ति देते हुए अलंकार की परिभाषाओं पर प्रकाश डालिए।

अथवा

रीति का स्वरूप लिखते हुए रीति और शैली के संबंध को स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 3) ध्वनि की परिभाषा देते हुए ध्वनि के भेद स्पष्ट कीजिए

अथवा

वक्रोक्ति सिद्धांत का स्वरूप स्पष्ट करते हुए उसके महत्व पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 4) निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए।

क) ध्वनि और शब्द शक्ति का संबंध स्पष्ट कीजिए।

ख) आचार्य क्षेमेन्द्र के औचित्य विचार का विवेचन कीजिए।

ग) काव्य में अलंकार का स्थान निर्धारित कीजिए।

घ) भरतमुनि के रससूत्र पर प्रकाश डालिए।

P.T.O.

प्रश्न 5) निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए।

क) करूण रस की आस्वाद्यता;

ख) रीति और गुण;

ग) ध्वनि और स्फोट सिद्धांत;

घ) औचित्य का महत्व।

Total No. of Questions : 5]

SEAT No. :

P2684

[Total No. of Pages : 8

[4902] - 1014

M.A. (Part - I) (Semester - I)

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र – 4 विशेषस्तर : वैकल्पिक

(2013 Pattern) (Credit System) (Optional Paper - I)

महत्वपूर्ण सूचना :– निम्नलिखित पाठ्यक्रमों में से किसी एक ही पाठ्यक्रम के प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

अ) विशेष साहित्यकार : कबीर

पाठ्यपुस्तक : कबीर ग्रंथावली : संपादक – श्यामसुंदर दास

समय : 3 घंटे] *[पूर्णांक : 50*

सूचनाएँ :– *1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।*

2) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

प्रश्न 1) हिंदी की निर्गुण काव्यधारा के विकास का परिचय दीजिए।

अथवा

कबीर के प्रेम तत्व के स्वरूप को स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 2) कबीर के काव्य में विद्रोह का सोदाहरण परिचय दीजिए।

अथवा

कबीर की उलटबासियों का सोदाहरण विवेचन कीजिए।

प्रश्न 3) कबीर के राम की अवधारणा को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

माया, जगत और मोक्ष के संबंध में कबीर के विचारों को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 4) निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए।

क) संत काव्य परंपरा का संक्षेप में विवेचन कीजिए।

ख) कबीर के काव्य में समन्वय किस प्रकार दिखाई देता है?

ग) ब्रह्म एवं जीव के संबंध में कबीर के क्या विचार हैं?

घ) कबीर द्वारा लिखित गुरू महिमा को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

P.T.O.

प्रश्न 5) निम्नलिखित अवतरणों की संसदर्भ व्याख्या कीजिए।

क) ''कबीर कुता राम का, मुतिया मेरा नाउँ।
गलै राम की जेवड़ी, जित खैचे तित जाउँ।।''

अथवा

''कबीर यहु घर प्रेम का, खाला का घर नाहिं।
सीस उतारै हाथि करि, सो पैसे घर माँहि।।''

ख) ''झूठे सुख कौ सुख कहैं, मानत है मन मोद।
खलक चवीणाँ काल का, कुछ भुख मैं कुछ गोद।।''

अथवा

''हँम तौ एक एक करि जाँनाँ।
दोइ कहै तिनही कौं दोजग, जिन नाँहिन पहिचाँनाँ।।टेक।।
एकै पवन एक ही पानी, एक जोति संसारा।
एक ही खाक घड़े सब भाँड़े, एक ही सिरजनहारा।।
जैसै बाढ़ी काष्ट ही काटै, अगिनि न काटै कोई।।
सब घटि अंतरि तूँहीं व्यापक, धरै सरूपै सोई।।
माया मोहे अर्थ देखि करि, काहै कूँ गरबाँनाँ
निरभै भया कछू नाहिं ब्यापै, कहै कबीर दिवाँनाँ।।''

Total No. of Questions : 5]

[4902] - 1014
M.A. (Part - I) (Semester - I)
HINDI (हिंदी)
प्रश्नपत्र – 4 विशेषस्तर : वैकल्पिक
(2013 Pattern) (Credit System) (Optional Paper - I)

आ) विशेष साहित्यकार : कवि तुलसीदास

पाठ्यपुस्तकें : i) रामचरितमानस : अयोध्याकांड

ii) विनय पत्रिका : संपादक – वियोगी हरि

समय : 3 घंटे] *[पूर्णांक : 50*

सूचनाएँ :– 1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

2) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

प्रश्न 1) 'रामचरितमानस' के महाकाव्यत्व का विवेचन कीजिए।

अथवा

तुलसीदास के लोकनायकत्व पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 2) 'विनय पत्रिका' की समन्वय भावना का परिचय दीजिए।

अथवा

'विनय पत्रिका' के दास्य भाव का विवेचन कीजिए।

प्रश्न 3) तुलसीदास का हिंदी साहित्य में स्थान निरूपित कीजिए।

अथवा

'विनय पत्रिका' के कला पक्ष पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 4) निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए।

क) 'रामचरितमानस' के प्रमुख पात्रों का परिचय दीजिए।

ख) 'रामचरितमानस' की शैली पर प्रकाश डालिए।

ग) 'विनय पत्रिका' की भाषा की समीक्षा कीजिए।

घ) 'विनय पत्रिका' के गीति – तत्व का विवेचन कीजिए।

प्रश्न 5) निम्नलिखित अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

क) ''मागी नाव न केवटु आना। कहइ तुम्हार मरमु मैं जाना।।
चरन कमल रज कहुँ सबु कहई। मानुष करनि मूरि कछू अहई।।
छुअत सिला भइ नारि सुहाई। पाहन ते न काठ कठिनाई।।
तरनिउ मुनि घरिनी होइ जाई। बाट परइ मोरि नाव उड़ाई।।
एहिं प्रतिपालउँ सबु परिवारू। नहिं जानउँ कछु अडर कबारू।।
जौं प्रभु पार अवसि गा चहहू। मोहि पद पदुम परवारन कहहू।।''

अथवा

''राजु करत यह दैअँ बिगोई। कीन्हेसि अस जस करइ न कोई।।
एहि बिधि बिलपहिं पुर नर नारी। देहि कुचालिहि कोटिक गारीं।।
जरहिं विषम जर लेहिं उसासा। कवनि राम बिनु जीवन आसा।।
बिपुल वियोग प्रजा अकुलाती। जनु जलचर गन सूखत पानी।।
अति विषाद बस लोग लोगाईं। गये मातू पहिं रामु गोसाई।।
मुख प्रसन्न चित्त चौगुन चाऊ। मिटा सोचु जनि राखै राऊ।।''

ख) ''जाउँ कहाँ तजि चरन तुम्हारे।
काको नाम पतित पावन जग, के हि अति दीन पियारे।।
कौन देव बराइ बिरद – हित हठि – हठि अधम उधारे।
खग, मृग, ब्याध, पषान, विहप जड़, जवन कवन सुर तारे।।
देव, दनुज, मुनि, नाग, मनुज, सब माया बिबस विचारे।
तिनके हाथ दास तुलसी प्रभु, कहा अपनपौ हारे।।''

अथवा

''अब लौं नसानी, अब न नसै हौं।
राम – कृपा भव निसासिरानी, जागे फिर न उसै हौं।।
पायो नाम चारू चिंतामणि, उर कर ते न खसै हौं।
स्याम रूप सुचि रूचिर कसौटी, चित कंचनहि कसै हौं।।
परूबस जाति हँस्यो इन इन्द्रिन, निज बस व्है न हँसै हौं।
मन – मधुकर पन कै हुलसी, रघुपति – पद कमल बसै हौं।।''

Total No. of Questions : 5]

[4902] - 1014
M.A. (Part - I) (Semester - I)
HINDI (हिंदी)
प्रश्नपत्र – 4 विशेषस्तर : वैकल्पिक
(2013 Pattern) (Credit System) (Optional Paper - I)

इ) विशेष साहित्यकार : नाटककार सुरेंद्र वर्मा

पाठ्यपुस्तकें :
- *i) सेतुबंध।*
- *ii) सूर्य की अंतिम किरण से सूर्य की पहली किरण तक।*
- *iii) आठवाँ सर्ग।*
- *iv) रति का कंगन।*

समय : 3 घंटे] *[पूर्णांक : 50*

सूचनाएँ :–
1) *सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।*
2) *सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।*

प्रश्न 1) हिंदी नाटक साहित्य के विकास का परिचय दीजिए।

अथवा

हिंदी नाटक और रंगमंच पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 2) 'सेतुबंध' नाटक की कथावस्तु लिखिए।

अथवा

'आठवाँ सर्ग' नाटक के संवादों की विशेषताएँ लिखिए।

प्रश्न 3) 'सूर्य की अंतिम किरण से सूर्य की पहली किरण तक' नाटक के उद्देश्य को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

अथवा

'रति का कंगन' नाटक के प्रमुख पात्रों का परिचय दीजिए।

प्रश्न 4) निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए।

क) नाटक विधा के संदर्भ में रंगमंचीयता के महत्व को स्पष्ट कीजिए।

ख) सुरेंद्र वर्मा के व्यक्तित्व का परिचय दीजिए।

ग) 'सूर्य की अंतिम किरण से सूर्य की पहली किरण तक' नाटक की मंचीयता को स्पष्ट कीजिए।

घ) 'रति का कंगन' के उद्देश्य पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 5) निम्नलिखित अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

क) ''कुछ व्यक्ति ऐसे भी होते हैं, जिनके बाहरी रूप से मालूम नहीं पड़ता कि उनके अन्दर कैसा रक्तपात है। सांसारिक धरातल पर वे सब कुछ उसी ढंग से करते हैं, जैसे एक औसत आदमी करता है, लेकिन भीतर ही भीतर वे एक समानान्तर जीवन जीते हैं।''

अथवा

''महामात्य! इन खोखले शब्दों का जादू टूट चुका है अब। मर्यादा, धर्म, शील, वैवाहिक बन्धन सब मिथ्या! सब आड़ंबर! सब पुस्तकीय। लेकिन मुझे पुस्तक नहीं जीना अब। मुझे जीवन जीना है।''

ख) ''एक शताब्दी में भी नहीं! मैं वहाँ जाऊँगा? तुम्हारी उस अन्धी समिति के सामने? तुम मतिमन्दों को मनाने? समझाने? अरे धर्माध्यक्ष! मैं विष खा लूगा, विष। डूब मरूँगा क्षिप्रा में। लेकिन किसी मूल्य पर....''

अथवा

''तुम फिर आ गए अपने धरातल पर! तुम मानक लेखक हो जो तुम्हें मानक प्रतिशत मिलेगा? वैसे भी तुम्हारे जैसे नए लेखिनीघसीटू को मानदेय देता कौन है? एक बारगी भुगतान कर के प्रकाशक प्रलय तक के लिए मोल ले लेता है।''

Total No. of Questions : 5]

[4902] - 1014
M.A. (Part - I) (Semester - I)
HINDI (हिंदी)
प्रश्नपत्र – 4 विशेषस्तर : वैकल्पिक
(2013 Pattern) (Credit System) (Optional Paper - I)

ई) विशेष साहित्यकार : कवि रामधारीसिंह दिनकर

पाठ्यपुस्तकें : *i) कुरूक्षेत्र*
ii) उर्वशी
iii) हुंकार
iv) बापू

समय : 3 घंटे] *[पूर्णांक : 50*

सूचनाएँ :– *1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।*
2) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

प्रश्न 1) 'कुरूक्षेत्र' काव्य के अभिव्यक्ति पक्ष पर प्रकाश डालिए।

अथवा

'उर्वशी' खंडकाव्य का काव्य सौष्ठव स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 2) 'हुंकार' काव्य में कवि दिनकरजी का प्रगतिवादी दृष्टिकोण साकार हुआ है। सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

अथवा

'बापू' कविता गांधी वादी विचार धारा का प्रतिनिधित्व करती है। विवेचन कीजिए।

प्रश्न 3) ''कवि दिनकर के काव्य में राष्ट्रीय भावना उजागर हुई है।'' पठीत रचनाओं के आधार पर समीक्षा कीजिए।

अथवा

''दिनकर के काव्य में आस्था एवं विश्वास के दर्शन होते है।'' सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 4) निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए।

क) 'कुरूक्षेत्र' काव्य में 'कृष्ण' की भूमिका स्पष्ट कीजिए।

ख) 'उर्वशी' काव्य की 'चित्रलेखा' का चरित्र चित्रण कीजिए।

ग) 'हुंकार' काव्य का उद्देश्य स्पष्ट कीजिए।

घ) 'बापू' काव्य के अभिव्यक्ति पक्ष पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 5) निम्नलिखित अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए ।

क) ''और तब चुप हो रहे कौन्तेय
संयमित करके किसी विधि शोक दुष्परिमेय
उस जलद – सा एक पारावार
हो भरा जिसमें लबालब, किन्तु जो लाचार
बरसतो सकता नहीं, रहता मगर बेचैन है।''

अथवा

''किसने कहा तुम्हें, जो नारी नर को जान चुकी है,
उसके लिए अलभ्य ज्ञान हो गया परम सत्ता का,
और पुरूष जो आलिंगन में, बाँध चुका रमणी को,
देश – काल को भेद गगन में उठने योग्य नहीं है?''

ख) ''भैया! लिख दे एक कलम खत मो बालम के जोग,
चारों कोने खेम – कुशल माँझेठाँ मोर वियोग।''

अथवा

''वह सुनो सत्य चिल्लाता है,
ले मेरा नाम अँधेरे में,
करूणा पुकारती है मुझको,
आबद्ध घृणा के घेरे में।''

Total No. of Questions : 5]

SEAT No. :

P2698

[Total No. of Pages : 2

[4902] - 2011

M.A. (Part - I) (Semester - II)

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र – 5 : सामान्य स्तर

मध्ययुगीन हिंदी काव्य

(सुरदास, बिहारी तथा भूषण)

(2013 Pattern) (Credit System)

पाठ्यपुस्तकें :– 1) सूरदास : भ्रमरगीत सार संपा. आ. रामचंद्र शुक्ल
2) बिहारी रत्नाकर : श्री जगन्नाथ 'रत्नाकर'
3) रीतिकाव्य धारा : संपा. डॉ. रामचंद्र तिवारी
डॉ. रामफेर त्रिपाठी

समय : 3 घंटे] *[पूर्णांक : 50*

सूचनाएँ :– 1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
2) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

प्रश्न 1) '''भ्रमरगीत': एक उपालंभ काव्य है''सोदाहरण समझाइए।

अथवा

'भ्रमरगीत' की दार्शनिक पृष्ठभूमि को सपष्ट कीजिए।

प्रश्न 2) बिहारी के 'सौंदर्य वर्णन' पर प्रकाश डालिए।

अथवा

बिहारी की भक्ति भावना स्वरूप सपष्ट कीजिए।

प्रश्न 3) भूषण के काव्य में राष्ट्रीय चेतना की अभिव्यक्ति किस प्रकार हुई है? सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

अथवा

हिंदी काव्य के विकास में भूषण के योगदान पर प्रकाश डालिए।

P.T.O.

प्रश्न 4) निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए।

क) सूर के उध्दव का परिचय दीजिए।

ख) भूषण के काव्य में रस की अभिव्यक्ति किस प्रकार हुई है?

ग) बिहारी के संयोग वर्णन की विशेषताएँ लिखिए।

घ) बिहारी की अलंकार योजना पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 5) निम्नलिखित में से किन्हीं दो अवतरणों की संसदर्भ व्याख्या कीजिए।

क) ''जोग ठगौरी ब्रज न बिकैहै।
यह ब्योपार तिहारो ऊधो! ऐसोई फिरि जैहै।।
जापै लै आए हौ मधुकर ताके उर न समैहै।
दाख छाँडि कै कटुक निंबौरी को अपने मुख खैहै?
मूरी के पातन के केना को मुक्ताहल दैहै।
सूरदास प्रभू गुनहि छाँडि कै को निर्गुन निबैहै?''

ख) ''कागद पर लिखत न बनत, कहत सँदेसू लजात।
कही है सबुतेरौ हियौ मेरे हिय की बात।।''

ग) ''बहन के आनन ते निकसे ते अत्यन्त पुनीत तिहूँ पर मानी।
राम युधिष्ठर के बरने बलमीकिहु व्यास के संग सोहानी।।
भूषण यों कलि के कविराजन राजन के गुन पाय नसानी।
पुन्य चरित्र सिवा सरजा सर न्याय पवित्र भई पुनिबानी।''

Total No. of Questions : 5]

SEAT No. :

P2699

[Total No. of Pages : 2

[4902] - 2012
M.A. (Semester - II)
HINDI (हिंदी)
प्रश्नपत्र – 6 : विशेष स्तर
आधुनिक हिंदी नाटक और निबंध
(2013 Pattern) (Credit System)

समय : 3 घंटे] *[पूर्णांक : 50*

पाठ्यपुस्तकें :– 1) नाटक : अंभग गाथा – नरेंद्र मोहन
2) निबंध माला – संपादक डॉ. सुरेश बाबर
डॉ. नीला बोर्वणकर

सूचनाएँ :– 1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
2) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

प्रश्न 1) हिंदी नाटक के उद्‌भव एवं विकास क्रम का संक्षेप में परिचय दीजिए।

अथवा

अभंग गाथा नाटक की कथावस्तु की समीक्षा कीजिए।

प्रश्न 2) हिंदी निबंध विद्या के उद्‌भव एवं विकास पर प्रकाश डालिए।

अथवा

''उत्साह'' निबंध की विशेषताएँ लिखिए।

प्रश्न 3) नाटक के विकास में डॉ. नरेन्द्र मोहन के योगदान को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

''पानी है अनमोल'' निबंध का उद्देश्य समझाइए।

प्रश्न 4) निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए।

क) ''अभंग गाथा'' नाटक की शीर्षक की सार्थकता;

ख) ''अभंग गाथा'' नाटक की भाषाशैली;

ग) पुस्तकालय: मिलन का उत्तम मार्ग;

घ) ''ठूठा आम'' निबंध की विशेषताएँ।

P.T.O.

प्रश्न 5) निम्नलिखित अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए।

क) ''मेरी मानो, रिसते हुए घाव से अभंग फूटने दो। न हो पानी, न हो अन्न के दान, सुरों का सरगम भी न हो तो क्या हो कि टिके रहे प्राण। मर रहा मेरा बच्चा। मर रही मैं। बड़ी लालसा है तुमसे अभंग सुनने की -------।''

अथवा

''भूल गई तू कि हमे दुर्गति मैं छोड़ वे सदगति के लिए भंडारा पहाड़ी पर जा विराजे थे और मैं और तू मूश्किल से उन्हें मनाकर लाये थे और वे घर में होकर भी घर में नहीं --------।''

ख) ''आज के धनतंत्र में कितने हैं जिनमें बीरबल बनने की बात है। सच्चा बीरबल आज रोटी के लिए मुहताज हो उठता है। संसद तो दूर वह पंचायत भी वही चढ़ पाता।''

अथवा

''नारे बाजी की ध्वनि बड़ी फिल्मी होती है। और जिया बेकरार करने की उसमें अपार क्षमता होती है। प्यारी जनता का जिया बेकरार है, इसलिए कंधो पर इतना भारी बोझ, पैर थिरकते ही रहते हैं।''

Total No. of Questions : 5]

SEAT No. :

P2700

[Total No. of Pages : 2

[4902] - 2013
M.A. (Part - I) (Semester - II)
HINDI (हिंदी)
प्रश्नपत्र – 7 : विशेष स्तर
पाश्चात्य साहित्यशास्त्र
(2013 Pattern) (Credit System)

समय : 3 घंटे] *[पूर्णांक : 50*

सूचनाएँ :– *1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।*
2) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

प्रश्न 1) प्लेटो के अनुकरण सिद्धान्त की समीक्षा कीजिए।

अथवा

प्लेटो और अरस्तू के अनूकरण विषयक विचारों की तुलना कीजिए।

प्रश्न 2) उदात्त की व्याख्या करते हुए, उदात्त के अंतरंग एवं बहिरंग तत्वों पर प्रकाश डालिए।

अथवा

संप्रेषण सिद्धान्त की परिभाषा देते हुए उसके स्वरूप को स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 3) इलियट की निवैयक्तिकता संबंधी अवधारणा का विस्तार से विवेचन कीजिए।

अथवा

वस्तुनिष्ठ प्रतिरूपता सिद्धान्त का परिचय देते हुए इलियट के योगदान को स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 4) निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए।

क) अभिव्यंजनावाद का स्वरूप स्पष्ट कीजिए।

ख) यथार्थवाद के महत्व पर प्रकाश डालिए।

ग) सैद्धांतिक आलोचना प्रणाली का महत्व समझाइए।

घ) मनोवैज्ञानिक आलोचना प्रणाली के स्वरूप पर प्रकाश डालिए।

P.T.O.

प्रश्न 5) निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए।

क) विरेचन सिद्धान्त का स्वरूप;

ख) काव्यमूल्यों की मनोवैज्ञानिक व्याख्या;

ग) सौंदर्यशास्त्रीय आलोचना;

घ) उत्तर आधुनिकता।

Total No. of Questions : 5]

SEAT No. :

P2701

[Total No. of Pages : 8

[4902] - 2014

M.A. (Part - I) (Semester - II)

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र – 8 विशेषस्तर : वैकल्पिक – विशेष विद्या तथा अन्य

(2013 Pattern) (Credit System) (Optional Paper - I)

महत्वपूर्ण सूचना :– निम्नलिखित पाठ्यक्रमों में से किसी एक ही पाठ्यक्रम के प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

क) हिंदी उपन्यास

ख) हिंदी यात्रा साहित्य : स्वरूप और विकास

ग) प्रयोजनमूलक हिंदी

घ) हिंदी दलित साहित्य

क) हिंदी उपन्यास

पाठ्यपुस्तकें:

i) चित्रलेखा – भगवतीचरण वर्मा

ii) गोदान – प्रेमचंद

iii) अलग अलग वैतरणी – शिवप्रसाद सिंह

iv) परिशिष्ट – गिरिराज किशोर

समय : 3 घंटे] *[पूर्णांक : 50*

सूचनाएँ :–

1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

2) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

प्रश्न 1) 'गोदान' उपन्यास के भाव पक्ष को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

'चित्रलेखा' उपन्यास के प्रमुख पात्रों का परिचय दीजिए।

प्रश्न 2) 'अलग अलग वैतरणी' में चित्रित सामाजिक यथार्थ पर प्रकाश डालिए।

अथवा

'परिशिष्ट' उपन्यास की कथावस्तु का विवेचन कीजिए।

P.T.O.

प्रश्न 3) प्रेमचंद युगीन हिंदी उपन्यास विद्या का परिचय दीजिए।

अथवा

हिंदी उपन्यासों की विविध प्रवृतियों को स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 4) निम्नलिखित में से दो टिप्पणियाँ लिखिए।

क) 'अलग अलग' वैतरणी की भाषा;

ख) 'गोदान' के नारी पात्र;

ग) 'चित्रलेखा' उपन्यास का उद्देश्य;

घ) 'परिशिष्ट' उपन्यास की समस्या।

प्रश्न 5) निम्नलिखित अवतरणों की संसदर्भ व्याख्या कीजिए।

क) ''आजकल तो पार्टीबन्दी और गोलबाजी का ही जमाना है मिसर जी!... रास्ता तो इसी के भीतर से खोजना होगा।''

अथवा

''कहाँ बताऊँ दादा! बस, यही समझ लो कि तुम्हारे दर्शन बदे थे, बच गया। हत्या सिर पर सवार थी। ऐसा लगता था कि वह गऊ मेरे सामने खड़ी है; हरदम, सोते-जागते कभी आँखो से ओझल न होती। मैं पागल हो गया और पाँच साल पागल खाने में रहा।''

ख) ''तुम दोनों विभिन्न परिस्थितियों में रहे और तुम दोनों की पाप की धारणाएँ भिन्न-भिन्न हो गई हैं। तुम लोग जा रहे हो - तुम्हारी विद्या पूर्ण हो चुकी है, अब अपना अन्तिम पाठ मुझसे सुनते जाओ--''

अथवा

''तू अपने बेटे को बचा सकता हो तो बचा ले ..... नहीं तो हो सकता है बेटे को ले जाने की जगह तू उसकी लाश को साथ लेकर लौटे ..... तब कैसा लगेगा''

Total No. of Questions : 5]

P2701

[4902] - 2014

M.A. (Part - I) (Semester - II)

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र – 8 विशेषस्तर : वैकल्पिक – विशेष विद्या तथा अन्य

(2013 Pattern) (Credit System) (Optional Paper - I)

ख) हिंदी यात्रा साहित्य : स्वरूप और विकास

पाठ्यपुस्तकें :

i) मेरी जीवन यात्रा भाग 2 – राहुल सांस्कृत्यायन

ii) एक बूँद सहसा उछली – अज्ञेय

iii) चीड़ों पर चाँदनी – निर्मल वर्मा

iv) सूर्य मंदिरों की खोज में – डॉ. श्याम सिंह शशि

समय : 3 घंटे] *[पूर्णांक : 50*

सूचनाएँ :–

1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

2) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

प्रश्न 1) यात्रा साहित्य की परिभाषा देते हुए उसके स्वरूप पर प्रकाश डालिए।

अथवा

द्विवेदी युगीन यात्रा साहित्य का सोदाहरण परिचय दीजिए।

प्रश्न 2) ''मेरी जीवन यात्रा'' में राहुलसांस्कृत्यायन की अनुसंधान की प्रवृत्ति को सोदाहरण विवेचित कीजिए।

अथवा

यात्रा साहित्य के तत्वों के आधार पर 'एक बूँद सहसा उछली' की समीक्षा कीजिए।

प्रश्न 3) 'चीड़ों पर चाँदनी' की विशेषताओं का विवेचन कीजिए।

अथवा

'सूर्य मंदिर की खोज में' रचना के उद्देश्य को स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 4) निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए।

क) यात्रा साहित्य की विशेषताएँ;

ख) 'चीड़ों पर चाँदनी' का शीर्षक;

ग) 'मेरी जीवन यात्रा' का उद्देश्य;

घ) 'एक बूँद सहसा उछली' की भाषा।

प्रश्न 5) निम्नलिखित अवतरणों की संसदर्भ व्याख्या कीजिए :

क) ''मंदिर में घुसने से पहले जूतों पर मढ़ने (पहनने) के लिए कपड़े के जुतेहमें दिए गए थे। मंदिर की पवित्रता अक्षुण्ण रखने के लिए यह प्रबंध था। मूर्तियाँ ही नहीं, चित्रपटों और वाद्यों का भी यहाँ अच्छा संग्रह है। एक छः मंजिला स्तूप है बुद्ध परिनिर्वाण की एक मूर्ति के बारे में बतलाया गया कि यह भारत की मिट्टी से बनी है।''

अथवा

''इस तरह निन्यानब्बे प्रश्न हैं क्यों कि सौवें एक प्रश्न में सभी समा जाते हैं और जो उस सौवें प्रश्न का निरूपण कर लेता है वह सब जिज्ञासाओं का उत्तर पा लेता है''

ख) ''खिड़की के सामने पुराना, चिरपरिचित देवदार का वृक्ष था, उसकी नंगी शाखाओं पर रूई के मोटे – मोटे गालों – सी बर्फ चिपक गई थी। लगता था, जैसे वह सांताक्लॉज हो, एक रात में ही जिसके बाल सन से सफेद हो गए है।''

अथवा

''विश्व के सूर्यवंशी राजाओं ने सूर्य के नाम पर अपने उपनिवेश स्थापित किए थे। सूर्य – पूजा विश्व के अनेक भागों में उत्तरोत्तर बढ़ती रही।''

Total No. of Questions : 5]

P2701

[4902] - 2014
M.A. (Part - I) (Semester - II)
HINDI (हिंदी)
प्रश्नपत्र – 8 विशेषस्तर : वैकल्पिक – विशेष विद्या तथा अन्य
(2013 Pattern) (Credit System) (Optional Paper - I)
ग) प्रयोजनमूलक हिंदी

समय : 3 घंटे] *[पूर्णांक : 50*

सूचनाएँ :– *1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।*
2) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

प्रश्न 1) प्रयोजनमूलक हिंदी की विभिन्न प्रयुक्तियों का परिचय देते हुए साहित्यिक और विज्ञापन भाषा प्रयुक्ति का सोदाहरण विवेचन कीजिए।

अथवा

राजभाषा हिंदी का परिचय देते हुए संवैधानिक प्रावधान का परिचय दीजिए।

प्रश्न 2) अनुवाद का स्वरूप समझाते हुए अनुवाद के प्रकारों का विवेचन कीजिए।

अथवा

विज्ञापन का स्वरूप स्पष्ट करते हुए विज्ञापन लेखन का परिचय दीजिए।

प्रश्न 3) कम्प्यूटर का परिचय देते हुए उसके महत्व पर प्रकाश डीलिए।

अथवा

समाचार लेखन के विविध प्रकारों का विवेचन कीजिए।

प्रश्न 4) निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए।

क) प्रयोजनमूलक हिंदी के स्वरूप को स्पष्ट कीजिए।

ख) काव्यानुवाद में आने वाली किन्हीं पाँच समस्याओं पर प्रकाश डालिए।

ग) सिनेमा लेखन के सिद्धांत का परिचय दीजिए।

घ) टेलीविजन माध्यम के लिए लेखन की विधि को स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 5) निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए।

क) कोश कार्य;

ख) इंटरनेट;

ग) पल्लवन;

घ) आजीविकापरक क्षेत्र।

Total No. of Questions : 5]

P2701

[4902] - 2014

M.A. (Part - I) (Semester - II)

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र – 8 विशेषस्तर : वैकल्पिक – विशेष विद्या तथा अन्य

(2013 Pattern) (Credit System) (Optional Paper - I)

घ) हिंदी दलित साहित्य

पाठ्यपुस्तकें :

i) जस तस भई सबेर : सत्यप्रकाश

ii) जूठन : ओमप्रकाश वाल्मिकी

iii) नयी सदी की पहचान : श्रेष्ठ दलित कहानियाँ
संपा. मुद्राराक्षस

iv) गूँगा नहीं था मैं : जयप्रकाश कर्दम

समय : 3 घंटे] *[पूर्णांक : 50*

सूचनाएँ :–

1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

2) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

प्रश्न 1) दलित साहित्य की अवधारणा स्पष्ट करते हुए उसके स्वरूप पर प्रकाश डालिए।

अथवा

दलित साहित्य की विशेषताएँ लिखते हुए उसके महत्व को प्रतिपादित कीजिए।

प्रश्न 2) 'जस तस भई सबेर' के भाव पक्ष पर प्रकाश डालिए।

अथवा

'जूठन' आत्मकथा में चित्रित संघर्ष का विवेचन कीजिए।

प्रश्न 3) 'नई सदी की पहचान' की कहानियों की विशेषताएँ लिखिए।

अथवा

'गूँगा नहीं था मैं' के भाव पक्ष पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 4) निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए।

क) दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र;

ख) कबीर और दलित साहित्य;

ग) कार्ल मार्क्स और दलित साहित्य;

घ) डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर : दलित साहित्य के प्रेरणास्रोत।

प्रश्न 5) निम्नलिखित अवतरणों की संसदर्भ व्याख्या कीजिए ।

क) ''आरक्षण के कारण वरिष्ठता का अतिक्रमण करना पड़ता है
और यही से गड़बड़ी प्रारंभ होती है; क्योंकि इससे प्रशासनिक
व अन्य सेवाओं में अयोग्य अभ्यार्थियों के प्रवेश का मार्ग प्रशस्त होता है। ''

अथवा

''अस्पृश्यता का ऐसा माहौल कि कुत्ते – बिल्ली, गाय – भैंस को छूना बुरा नहीं था लेकिन यदि चूहड़े मर स्पर्श हो जाए तो पाप लग जाता था। सामाजिक स्तर पर इन्सानी दर्जा नहीं था। वे सिर्फ जरूरत की वस्तु थे। काम पूरा होते ही उपयोग खत्म। इस्तेमाल करो, दूर फेंको।''

ख) ''यह शोषण की व्यवस्था – वर्ण – व्यवस्था, हमारे शासन – शोषक वर्ग के पूर्वजों ने, हमारे भले के लिए ही, बनाई है। अत: इसे ढोना ही पड़ेगा। शोषण करनेवाली इस व्यवस्था को, यदि हम शासक – शोषक वर्ण के लोग ही नहीं ढोएँगे, इसकी रक्षा नहीं करेगें तो क्या शोषित वर्ण शूद्र करेंगे?''

अथवा

''क्या मंदिरों की मोटी कमाई पर
ब्राह्मणों का एकाधिकार उचित है?
क्या गैर – सरकारी संस्थानों में
केवल सवर्णों का नियोजन उचित है?
क्या यह सब आरक्षण नहीं है?
फिर मेरे आरक्षण का विरोध क्यों?''

Total No. of Questions : 5]

SEAT No. :

P2715

[Total No. of Pages : 2

[4902] - 3011
M.A. (Semester - III)
HINDI (हिंदी)
प्रश्नपत्र – 9 : सामान्य स्तर आधुनिक काव्य – I
(महाकाव्य तथा खंडकाव्य)
(2013 Pattern) (Credit System)

पाठ्यपुस्तकें : i) कामायनी – जयशंकर प्रसाद
ii) गोपा–गौतम – डॉ. जगदीश गुप्त

समय : 3 घंटे] *[पूर्णांक : 50*

सूचनाएँ:– 1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।
2) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं ।

प्रश्न 1) कामायनी के आधार पर इडा का चरित्र–चित्रण कीजिए ।

अथवा

'कामायनी रूपक काव्य है' – स्पष्ट कीजिए ।

प्रश्न 2) गोपा–गौतम के आधार पर गोपा की चरित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।

अथवा

गोपा–गौतम का उद्देश्य स्पष्ट कीजिए ।

प्रश्न 3) कामायनी की प्रासंगिकता पर प्रकाश डालिए ।

अथवा

गोपा–गौतम की शिल्पगत विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए ।

प्रश्न 4) निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए :

क) कामायनी का मानव

ख) कामायनी–शीर्षक की सार्थकता

ग) गोपा–गौतम की सर्ग योजना

घ) गौतम का मानसिक संघर्ष

P.T.O.

प्रश्न 5) निम्नलिखित अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

क) चिंता करता हूँ मैं जितनी उस अतीत की, उस सुख की,
उतनी ही अनंत में बनती जातीं रेखाएँ दुख की ।
आह सर्ग के अग्रदूत ! तुम असफल हुए, विलीन हुए,
भक्षक या रक्षक जो समझो, केवल अपने मीन हुए ।

अथवा

कौन हो तुम वसंत के दुत विरस पतझड़ में अति सुकुमार !
घन–तिमिर में चपला की रेख, तपन में शीतल मंद बयार ।
नखत की आशा–किरण समान, हृदय के कोमल कवि की काँत –
कल्पना की लघु लहरी दिव्य, कर रही मानस–हलचल शांत ।

ख) तुमने चाहा था –
मैं पुरुषार्थी बनूँ
शत्रुओं का दमन करूँ
पूरा अधिकार अपने हाथ में लूँ ।
लो देखो !
कर लिया मैंने स्वयं
अपनी सब इंद्रियों पर अधिकार
दमन कर दिया भय का क्रोध का
लोभ–मोह–काम भी
मुझको अब बाँध नहीं पाएँगे ।

अथवा

मैं माता क्या बनी,
कोख में पाला दुख था ।
अब लगता है –
बंध्या ही रहती तो सुख था ।
मुझसे तो सीता अच्छी थीं,
मिला जिन्हें मातृत्व विजन में ।
मैं घर से माता बनकर भी,
त्याग दी गई, सहसा, क्षण में ।

Total No. of Questions : 5]

SEAT No. :

P2716

[Total No. of Pages : 2

[4902] - 3012
M.A. (Semester - III)
HINDI (हिंदी)
प्रश्नपत्र – 10 : विशेष स्तर भाषाविज्ञान
(2013 Pattern) (Credit System)

समय : 3 घंटे] *[पूर्णांक : 50*

सूचनाएँ :– 1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।

2) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं ।

प्रश्न 1) भाषा की परिभाषा देकर उसका स्वरूप स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

भाषाविज्ञान के अध्ययन की दिशाओं को विशद कीजिए ।

प्रश्न 2) स्वनविज्ञान की शाखाओं का विवेचन कीजिए ।

अथवा

स्वनिम की परिभाषा देकर उसकी विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।

प्रश्न 3) रूपविज्ञान का स्वरूप स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

रूपविज्ञान की परिभाषा देकर रुपिम के स्वरूप पर प्रकाश डालिए ।

प्रश्न 4) निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए ।

क) वाक्य का विश्लेषण कीजिए ।

ख) वाक्य की परिभाषा देकर अन्विताभिधानवाद पर प्रकाश डालिए ।

ग) अर्थबोध के साधन विशद कीजिए ।

घ) अर्थपरिवर्तन के कारण समझाइए ।

P.T.O.

प्रश्न 5) निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए :

क) मानक हिंदी

ख) व्यंजन वर्गीकरण

ग) स्वन और स्वनिम में अंतर

घ) साहित्य और भाषाविज्ञान के अंग

⌘⌘⌘

Total No. of Questions : 5]

SEAT No. :

P2717

[Total No. of Pages : 2

[4902] - 3013
M.A. (Semester - III)
हिंदी (HINDI)
प्रश्नपत्र – 11 : विशेष स्तर : हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल, भक्तिकाल, रीतिकाल तक)
(2013 Pattern) (Credit System)

समय : 3 घंटे] *[पूर्णांक : 50*

सूचनाएँ :– 1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।

2) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं ।

प्रश्न 1) आदिकाल की पृष्ठभूमि विस्तार से समझाइए ।

अथवा

'रासो' का अर्थ बताकर रासो काव्य परंपरा पर प्रकाश डालिए ।

प्रश्न 2) संत–काव्य परंपरा को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

भक्तिकालीन साहित्य की सामाजिक उपादेयता का विवेचन कीजिए ।

प्रश्न 3) 'बिहारी रीतिकाल के लोकप्रिय कवि हैं' – सोदाहरण विवेचन कीजिए ।

अथवा

रीतिकालीन श्रृंगारेतर काव्य का परिचय दीजिए ।

प्रश्न 4) निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए :

क) आदिकाल के नामकरण पर प्रकाश डालिए ।

ख) रामभक्ति शाखा की प्रमुख विशेषताएँ लिखिए ।

ग) अष्टछाप के प्रमुख कवियों का परिचय दीजिए ।

घ) घनानंद के साहित्य का विवेचन कीजिए ।

P.T.O.

प्रश्न 5) निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए :

क) जैन साहित्य

ख) भ्रमरगीत परंपरा

ग) भक्तिकालीन नीति साहित्य

घ) कवि भूषण ।

⌘⌘⌘

Total No. of Questions : 5]

SEAT No. :

P2718

[Total No. of Pages : 6

[4902] - 3014
M.A. (Semester - III)
हिंदी (HINDI)
प्रश्नपत्र – 12 : विशेष स्तर – वैकल्पिक
(अ) आधुनिक हिंदी आलोचना
(आ) अनुवाद विज्ञान
(इ) जनसंचार माध्यम और हिंदी
(2013 Pattern) (Credit System)

(अ) आधुनिक हिंदी आलोचना

समय : 3 घंटे] *[पूर्णांक : 50*

सूचनाएँ :– 1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।

2) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं ।

प्रश्न 1) हिंदी आलोचना के उद्‌भव और विकास का संक्षेप में परिचय दीजिए ।

अथवा

आलोचना और अनुसंधान के अंतर को स्पष्ट कीजिए ।

प्रश्न 2) हिंदी आलोचना के क्षेत्र में आ. रामचंद्र शुक्लजी के योगदान पर प्रकाश डालिए ।

अथवा

आ. हजारीप्रसाद द्‌विवेदी के आलोचनात्मक साहित्य का परिचय दीजिए ।

प्रश्न 3) डॉ. नगेंद्र की समीक्षा पद्धतियों की विशेषताएँ लिखिए ।

अथवा

आलोचना के विकासक्रम में डॉ. रामविलास शर्मा का स्थान निर्धारित कीजिए ।

प्रश्न 4) निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए :

क) डॉ. नामवरसिंह के किन्हीं दो आलोचना ग्रंथों का परिचय दीजिए ।

ख) समकालीन आलोचना के स्वरूप का विवेचन कीजिए ।

ग) अजनबीपन की अवधारणा स्पष्ट कीजिए ।

घ) विसंगति तथा अंतर्विरोध को स्पष्ट कीजिए ।

P.T.O.

प्रश्न 5) निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए :

क) शुक्लोत्तर आलोचना

ख) आ. हजारीप्रसाद द्विवेदी की आलोचना पद्धतियाँ

ग) आ. नंददुलारे बाजपेयी का आलोचना साहित्य

घ) विखंडन

⌘⌘⌘

Total No. of Questions : 5]

P2718

[4902] - 3014
M.A. (Semester - III)
हिंदी (HINDI)
प्रश्नपत्र – 12 : विशेष स्तर – वैकल्पिक
(आ) अनुवाद विज्ञान
(2013 Pattern) (Credit System)

समय : 3 घंटे] *[पूर्णांक : 50*

सूचनाएँ :– 1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।

2) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं ।

प्रश्न 1) अनुवाद की परिभाषा देकर उसका महत्व विशद कीजिए ।

अथवा

अनुवाद की प्रक्रिया पर प्रकाश डालिए ।

प्रश्न 2) प्रक्रिया के आधार पर अनुवाद के भेद स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

अनुवाद और भाषाविज्ञान का पारस्परिक संबंध समझाइए ।

प्रश्न 3) वैज्ञानिक और तकनीकी सामग्री के अनुवाद की समस्याएँ स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

वाणिज्य और व्यापार के क्षेत्र के अनुवाद का स्वरूप विशद कीजिए ।

प्रश्न 4) निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए :

क) कंप्यूटर अनुवाद का स्वरूप स्पष्ट कीजिए ।

ख) अनुवाद समीक्षा की आवश्यकता विशद कीजिए ।

ग) नाट्यानुवाद के स्वरूप को समझाइए ।

घ) काव्यानुवाद की समस्याएँ कौन–कौन–सी हैं ?

प्रश्न 5) निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए :

क) अनुवाद कार्य में सहायक साधन

ख) भावानुवाद

ग) बैंक क्षेत्र की सामग्री का अनुवाद

घ) कहावतों का अनुवाद

⌘⌘⌘

Total No. of Questions : 5]

P2718

[4902] - 3014
M.A. (Semester - III)
हिंदी (HINDI)
प्रश्नपत्र – 12 : विशेष स्तर – वैकल्पिक
(इ) जनसंचार माध्यम और हिंदी
(2013 Pattern) (Credit System)

समय : 3 घंटे] *[पूर्णांक : 50*

सूचनाएँ :– 1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।

2) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं ।

प्रश्न 1) सूचना–प्रौद्योगिकी के विविध रूपों पर प्रकाश डालिए ।

अथवा

वैश्विकरण की प्रक्रिया में जनसंचार के योगदान का विवेचन कीजिए ।

प्रश्न 2) जनसंचार माध्यमों में साहित्य का महत्व विशद कीजिए ।

अथवा

हिंदी पत्रकारिता का स्वरूप स्पष्ट करते हुए सरस्वती पत्रिका के योगदान पर प्रकाश डालिए ।

प्रश्न 3) पत्रकारिता के मूल तत्वों का विवेचन कीजिए ।

अथवा

समाचार के विभिन्न स्रोत कौन–कौन–से हैं ? – समझाइए ।

प्रश्न 4) निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए :

क) इंटरनेट पत्रकारिता का स्वरूप स्पष्ट कीजिए ।

ख) हिंदी की महिला पत्रिकाओं का स्वरूप विशद कीजिए ।

ग) भारतीय संविधान में प्रदत्त सूचनाधिकार को समझाइए ।

घ) इलेक्ट्रॉनिक मीडिया की पत्रकारिता का महत्व स्पष्ट कीजिए ।

प्रश्न 5) निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए :

क) जनशिक्षा

ख) विश्वपत्रकारिता का उदय

ग) फीचर

घ) रेडियो पत्रकारिता

⌘⌘⌘

Total No. of Questions : 5] **SEAT NO. :**

P2737 **[Total No. of Pages : 2**

[4902] -4011

M.A. (Part - II) (Semester - IV)

हिंदी (HINDI)

प्रश्नपत्र – 13 : सामान्य स्तर – आधुनिक काव्य – 2

(विशेष कवि कुँवर नारायण तथा नई कविता)

(2013 Pattern) (Credit System)

पाठ्यपुस्तकें : 1) विशेष कवि कुँवर नारायण
संपा. : डॉ. सुरेश बाबर, डॉ. नीला बोर्वणकर
2) नई कविता
संपा. : सुरेश बाबर, डॉ.अलका पोतदार

समय : 3 घन्टे] *[पूर्णांक : 50*

सूचनाएँ : 1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
2) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

प्रश्न 1) कवि कुँवर नारायण की कविता का भाव – पक्ष सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

अथवा

कवि कुँवर नारायण की कविता के शिल्प – पक्ष पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 2) लीलाधर जगूडी के काव्य की मूल्य संवेदना स्पष्ट कीजिए।

अथवा

''लीलाधर जगूडी ने अपनी कविता में समसामयिक विसंगतियों पर करारा व्यंग्य किया है।''– कथन को अपने शब्दों में समझाइए।

प्रश्न 3) ''दामोदर मोरे की कविता विद्रोह और क्रांति की कविता है।'' स्पष्ट कीजिए।

अथवा

कात्यायनी की कविता की मूल संवेदना पर प्रकाश डालिए।

P.T.O.

प्रश्न 4) निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए :

i) नयी कविता की प्रमुख विशेषताएँ लिखिए।

ii) दामोदर मोरे की कविता में चित्रित व्यवस्थाविरोध सोदाहरण समझाइए।

iii) उदय प्रकाश की कविता का भाव – पक्ष।

iv) कुँवर नारायण के काव्य की प्रमुख विशेषताएँ लिखिए।

प्रश्न 5) निम्नलिखित अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

i) ''इलाज तभी होता है जब एक बार यह समझ में आ जाय कि बीमारी क्या है
मेडिकल कॉलेज की भीड से गुजरते हुए उसे इलहाम हुआ कि उसे
जो बीमारी है
उसका नाम गरीबी है और उसे डाक्टर नहीं मिटा सकते''

अथवा

''लेकिन शहर भी अब
एक बिल्कुल फर्क तरह के
मानव – रक्त से
प्रभावित हो चुका है।''

ii) ''अतीत में ऐसा ही हुआ है
भविष्य में भी ऐसा ही होगा
ईश्वर! वर्तमान को धन्यवाद
जिसने ऐसा भय दिया
कि इतने सारे शत्रुओं को
फिलहाल एक किया।''

अथवा

''आप समझते हैं अपने को शायर
सच्ची शायरी का आपको पता नहीं
इस ऑमलेट की टेस्ट मुझे मालूम है
मुर्गी को उसका पता नहीं .....।''

Total No. of Questions : 5] SEAT NO. :

P2738 [Total No. of Pages : 2

[4902] -4012

M.A. (Part - II) (Semester - IV)

हिंदी (HINDI)

प्रश्नपत्र – 14 : विशेष स्तर – हिंदी भाषा का ऐतिहासिक विकास

(2013 Pattern) (Credit System)

समय : 3 घन्टे] *[पूर्णांक : 50*

सूचनाएँ : 1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
2) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

प्रश्न 1) हिंदी भाषा के उद्‌भव एवं विकास पर संक्षेप में प्रकाश डालिए।

अथवा

मध्यकालीन भारतीय आर्यभाषाओं का परिचय देकर प्राकृत की भाषावैज्ञानिक विशेषताएँ लिखिए।

प्रश्न 2) आधुनिक भारतीय आर्यभाषाओं का सामान्य परिचय दिजिए।

अथवा

आधुनिक भारतीय आर्यभाषाओं का वर्गीकरण करते हुए ग्रियर्सन द्‌वारा प्रस्तुत वर्गीकरण पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 3) हिंदी की बोलियों का वर्गीकरण प्रस्तुत करते हुए अवधी का व्याकरणिक परिचय दीजिए।

अथवा

पूर्वी हिंदी की बोलियों का सामान्य परिचय दीजिए।

P.T.O.

प्रश्न 4) निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए ।

अ) हिंदी के शब्दनिर्माण में प्रत्यय का महत्त्व विशद कीजिए।

ब) वचन की दृष्टि से हिंदी का व्याकरणिक स्वरूप स्पष्ट कीजिए।

क) अपभ्रंश का सामान्य परिचय दीजिए।

ड) हिंदी के अव्ययों के विकास पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 5) निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए।

अ) देवनागरी लिपि का उद्‌भव एवं विकास।

ब) हिंदी के प्रचार – प्रसार में 'राष्ट्रभाषा प्रचार समिति, वर्धा' का योगदान।

क) ब्राह्‌मी लिपि का सामान्य परिचय।

ड) पश्चिमी हिंदी।

Total No. of Questions : 5] SEAT NO. :

P2739 [Total No. of Pages : 2

[4902]-4013

M.A. (Part - II) (Semester - IV)

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र – 15 : विशेष स्तर – हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)

(2013 Pattern) (Credit System)

समय : 3 घन्टे] *[पूर्णांक : 50*

सूचनाएँ : 1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

2) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

प्रश्न 1) हिंदी उपन्यास साहित्य के विकासक्रम का परिचय दीजिए।

अथवा

स्वातंत्र्योत्तर हिंदी नाटक साहित्य का परिचय देते हुए नाटककार मोहन राकेश के नाट्यचिंतन पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 2) हिंदी निबंध साहित्य का विकासात्मक परिचय दीजिए।

अथवा

समकालीन हिंदी कहानी आंदोलन का परिचय देते हुए कमलेश्वर की भूमिका स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 3) प्रगतिवादी कविता की प्रमुख विशेषताएँ लिखिए।

अथवा

प्रयोगवादी कविता के उद्‌भव के कारण स्पष्ट करते हुए प्रमुख प्रवृत्तियाँ लिखिए।

P.T.O.

प्रश्न 4) निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए ।

अ) कहानीकार उदय प्रकाश का सामान्य परिचय दीजिए।

ब) हिंदी रेखाचित्र साहित्य का विकासात्मक संक्षिप्त परिचय दीजिए।

क) भारतेंदुयुगीन हिंदी कविता की सामान्य प्रवृत्तियाँ लिखिए।

ड) ''धूमिल की कविता 'संसद से लेकर सड़क तक' का यथार्थ चित्र प्रस्तुत करती है।'' स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 5) निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए।

अ) निबंधकार विद्यानिवास मिश्र।

ब) नाटककार सुरेंद्र वर्मा।

क) छायावादी कविता की प्रमुख विशेषताएँ।

ड) कवि लीलाधर जगूडी।

Total No. of Questions : 5] SEAT NO. :

P2740 [Total No. of Pages : 6

[4902] -4014

M.A. (Part - II) (Semester - IV)

हिंदी (HINDI)

(2013 Pattern) (Credit System)

प्रश्नपत्र – 16 : विशेष स्तर – वैकल्पिक

(क) भारतीय साहित्य,

(ख) लोकसाहित्य,

(ग) अनुसंधान प्रक्रिया : स्वरूप और क्षेत्र

(क) भारतीय साहित्य

समय : 3 घन्टे] *[पूर्णांक : 50*

सूचनाएँ : 1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

2) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

प्रश्न 1) भारतीय साहित्य का स्वरूप सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

अथवा

''भारतीय साहित्य में आज के भारत का बिंब अभिव्यक्त होता है'' स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 2) 'बारोमास' उपन्यास की कथावस्तु संक्षेप में लिखते हुए उसके उद्देश्य को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

'बारोमास' उपन्यास में चित्रित समस्याओं पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 3) '' 'नागमंडल' नाटक में कर्नाड ने नाग को पुरूष के विकृत भावों का प्रतीक मानकर नारी के असहाय–बोध को उजागर किया है'' – सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

अथवा

डॉ. गिरीश कर्नाड का साहित्यिक परिचय देते हुए 'नागमंडल' नाटक की कथावस्तु लिखिए।

P.T.O.

प्रश्न 4) निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए ।

अ) 'खाना बदोश' आत्मकथा के शीर्षक की सार्थकता स्पष्ट कीजिए।

ब) 'खाना बदोश' की भाषा शैली पर प्रकाश डालिए।

क) कैंडी का चरित्र – चित्रण कीजिए।

ड) अजित कौर के पारिवारिक जीवन पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 5) निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए।

अ) भारतीय साहित्य के अध्ययन की समस्याएँ।

ब) 'बारोमास' उपन्यास का शीर्षक।

क) 'नागमंडल' नाटक की मंचीयता।

ड) 'खानाबदोश' में सच्चाई और खुलापण।

Total No. of Questions : 5]

P2740

[4902] -4014

M.A. (Part - II) (Semester - IV)

हिंदी (HINDI)

(2013 Pattern) (Credit System)

प्रश्नपत्र – 16 : विशेष स्तर – वैकल्पिक

(ख) लोकसाहित्य,

समय : 3 घन्टे] *[पूर्णांक : 50*

सूचनाएँ : 1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
2) सभी प्रश्नों को समान अंक हैं।

प्रश्न 1) लोकसाहित्य और अन्य ज्ञानशाखाओं के परस्पर संबंधों का विवेचन कीजिए।

अथवा

लोकसाहित्य का स्वरूप स्पष्ट कर विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 2) लोकगीतों का परिचय दीजिए।

अथवा

लोकगाथा का स्वरूप स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 3) प्रकीर्ण लोकसाहित्य पर प्रकाश डालिए।

अथवा

लोकसाहित्य का कलापक्ष स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 4) निम्नलिखित लघूत्तरी प्रश्नों में से किन्हीं दो के उत्तर लिखिए ।

अ) लोककथाओं का वर्गीकरण स्पष्ट कीजिए।

ब) लोकनाट्यों का परिचय संक्षेप में लिखिए।

क) महाराष्ट्र के लोकनाट्य में 'लावनी' और 'कीर्तन' का महत्त्व स्पष्ट कीजिए।

ड) लोकनाट्य की दो परिभाषाएँ लिखिए।

प्रश्न 5) निम्नलिखित विषयों में से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए।

अ) लोकसाहित्य– भावव्यंजना।

ब) शास्त्रीय नाटक।

क) नल–दमयंती।

ड) लोकगीत – होली।

Total No. of Questions : 5] SEAT NO. :

P2740

[4902] -4014

M.A. (Part - II) (Semester - IV)

हिंदी (HINDI)

(2013 Pattern) (Credit System)

प्रश्नपत्र – 16 : विशेष स्तर – वैकल्पिक

(ग) अनुसंधान प्रक्रिया : स्वरूप और क्षेत्र

समय : 3 घन्टे] *[पूर्णांक : 50*

सूचनाएँ : 1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
2) सभी प्रश्नों को समान अंक हैं।

प्रश्न 1) ''अनुसंधान और आलोचना दोनों साहित्यान्केषण की दो विधियाँ हैं'' स्पष्ट कीजिए।

अथवा

साहित्यिक अनुसंधान के प्रकारों पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 2) अनुसंधान के उद्देश्यों पर प्रकाश डालिए।

अथवा

अनुसंधान का स्वरूप स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 3) शोध – प्रबंध लेखन प्रणाली पर प्रकाश डालिए।

अथवा

पाठालोचन के मुख्य सिद्धांत स्पष्ट कीजिए।

P.T.O.

प्रश्न 4) निम्नलिखित लघूत्तरी प्रश्नों में से किन्हीं दो के उत्तर लिखिए ।

अ) अनुसंधान प्रक्रिया में विषय–चयन का महत्त्व स्पष्ट कीजिए।

ब) भाषा और साहित्य के अध्यापन सूत्रों पर प्रकाश डालिए।

क) शोध निर्देशक के गुणों को स्पष्ट कीजिए।

ड) अनुसंधान में सामग्री संकलन की भूमिका स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 5) निम्नलिखित विषयों में से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए।

अ) अनुसंधान का महत्त्व।

ब) तुलनात्मक अनुसंधान।

क) अनुसंधानकर्ता के गुण।

ड) अध्याय विभाजन।